AUGMENTED REALITY
(Android Mobile App)
(See back cover for user guide)

Together with®

# Peek-a-boo हिंदी Magic

## जादुई सरगम

C




RACHNA
SAGAR

Together with®

# Peek-a-boo

# हिंदी

# जादुई सरगम


*Conceptualized by:*

**Meera Balachandran**

BA, B Ed., M Ed., MA (*English*)

*Former Principal*, Ramjas School, R.K. Puram

Diploma in Teacher Training in the Communicative Approach

(University of Essex UK)

**Recipient of:**

*National Award from the M.H.R.D for Excellence in Teaching*

**Name :** _____

**Class :** _____ **Section :** _____ **Roll No :** _____

**Subject :** _____

**School Name :** _____


RACHNA SAGAR PVT. LTD.

EDUCATIONAL PUBLISHERS

# प्राक्कथन

**पीक-ए-बू हिंदी जादुई सरगम** बच्चों की गीतों के प्रति विशेष अभिरुचि को ध्यान में रखते हुए तैयार की गई है। **पीक-ए-बू** के साथ गीत गाते हुए, गुनगुनाते हुए, सुंदर चित्रों से सजे गीतों के साथ कल्पनालोक में विविध पशु-पक्षियों के साथ वार्तालाप करते हुए, छोटे सुकुमार शिशु प्रसिद्ध बाल-कविताओं को सहज ही सीख लेंगे। इस पुस्तक के माध्यम से वे अनेकानेक क्रियाकलाप करते हुए अपनी रचनात्मक प्रतिभाओं, कल्पनाओं, रुचियों तथा मानसिक क्षमताओं को विकसित एवं परिष्कृत करेंगे।

**इस पुस्तक-शृंखला की प्रमुख विशेषताएँ इस प्रकार हैं–**

## पीक-ए-बू

पीक-ए-बू के साथ मित्रता का नाता जोड़ते हुए, बच्चों के ध्यान को बड़े ही मनोवैज्ञानिक एवं कलात्मक ढंग से केंद्रित करने का प्रयास किया गया है।

## प्रसिद्ध कविताएँ

चिर-परिचित कविताओं द्वारा बच्चों में सीखने की प्रक्रिया में तेजी लाते हुए उनके वाचन-कौशल, उच्चारण और प्रस्तुतीकरण को रोचक, शुद्ध एवं भावपूर्ण बनाने का सफल प्रयास किया गया है। लय और ताल के साथ बाल-गीतों को गाते हुए उनमें निहित नैतिक शिक्षा को सहज भाव से ग्रहण करना, स्टीकर चिपकाते हुए बाल-गीत के प्रमुख पात्र से परिचित होना इस पुस्तक की महत्त्वपूर्ण विशेषता है।

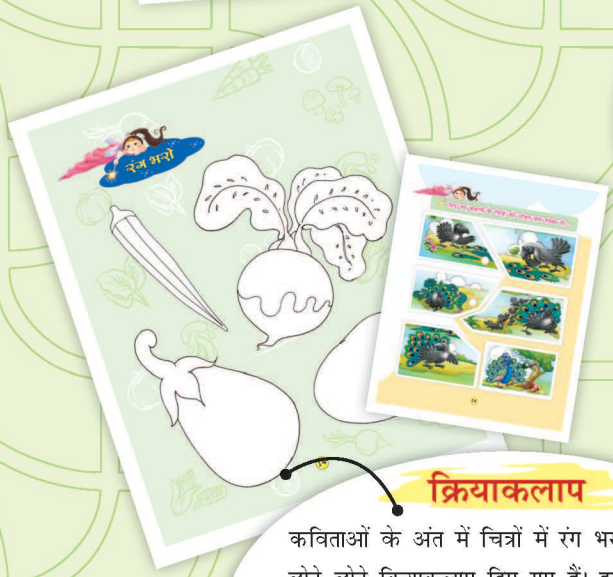


## क्रियाकलाप

कविताओं के अंत में चित्रों में रंग भरने तथा अन्य छोटे-छोटे क्रियाकलाप दिए गए हैं। इन गतिविधियों से छात्रों की रुचि पाठ में निरंतर बनी रहती है और उनका मस्तिष्क कुछ नया सीखने और करने में व्यस्त रहता है। इससे छात्रों की रचनात्मक प्रतिभा एवं सुरुचि का स्वाभाविक विकास होगा।

## सोचो और बताओ
## सीखो और समझो

प्रत्येक कविता के अंत में पूछे गए लघु प्रश्नों से छात्र अपने ज्ञान को सुदृढ़ बना सकते हैं। खेल-खेल में ही कविता के भाव को ग्रहण कर प्रश्न पूछने और उत्तर देने की कला में वे सक्षम हो जाएँगे।

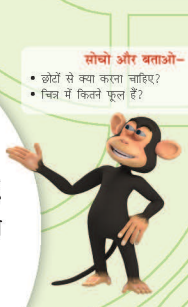

## कार्टून-कविताएँ

पुस्तक में वर्णित कार्टून-कविताएँ तुकबंदी पर आधारित है, जिन्हें पढ़कर, सुनकर बच्चे स्वयं भी इसी तरह का प्रयास कर सकते हैं। इस प्रकार उनकी सृजनात्मक प्रतिभा विकसित होगी।

## मिलकर गाओ

कक्षा के छात्रों की सामूहिक गतिविधि को प्रोत्साहन देने के लिए सरस बालगीत गायन की योजना की गई है।

## शिक्षाप्रद कहानियाँ

शिक्षाप्रद नैतिक-कहानियों के पशु-पक्षी बच्चों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र बनेंगे। कहानी सुनने-सुनाने की बाल-सुलभ प्रवृत्ति से बच्चे कुछ महत्तवपूर्ण शिक्षाएँ सहज ही प्राप्त कर लेंगें।

## रंगीन स्टीकर

स्टीकर बच्चों के आकर्षण का केंद्र होते हैं। उन्हें यथास्थान स्टीकर चिपकाने में बड़ा आनंद आता है। बाल-गीतों से सुसज्जित इस पुस्तक में स्टीकर लगाते हुए वे स्वयं को कविता के रचनात्मक पक्ष से जुड़ा हुआ अनुभव करेंगे।

## मज़े-मज़े में

विश्रान्ति क्रिया (Relax Therapy) द्वारा प्रत्येक छात्र को शरीरिक और मानसिक रूप से स्वतंत्रता के कुछ निजी पल मिलेंगे, जिससे वे पूरी तरह से स्फूर्तिमान हो जाएँगे।

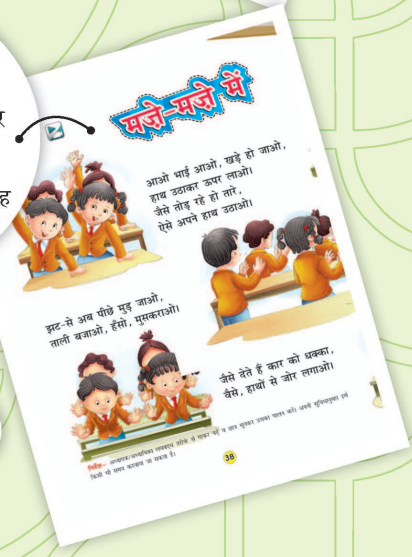


## जन्मदिन पर आधारित कविता

'जन्मदिन' के उत्सव को पूरी कक्षा की सामूहिक गतिविधि के रूप में मनाया जा सकता है। सहपाठियों के साथ प्रेमपूर्ण व्यवहार करने और एक सर्वथा नई गतिविधि से सारी कक्षा में उत्साह और आनंद का वातावरण बन जाएगा।

इस पुस्तक को उपयोगी एवं आकर्षक बनाने के लिए C.D., Websupport, Flip Book, Augmented reality भी दिए जा रहे हैं।

इस पुस्तक के द्वारा बालकों में दृश्य, श्रव्य तथा पठन-कौशल का संपूर्ण संतुलित तथा सम्यक विकास होगा। नवीन प्रायोगिक शिक्षण विधियों के सम्मिश्रण से तैयार यह पुस्तक शृंखला बाल-विकास में सही मार्ग दर्शिका बनकर नन्हे-मुन्हे बच्चों के आकर्षण एवं रूचि का केंद्र बिंदु प्रमाणित होगी।

# पीक-ए



पीक-ए-बू, पीक-ए-बू
मैंने देखा तुमको।
गुगली गू, गुगली गू
तुमने देखा मुझको।।

पीक-ए-बू, पीक-ए-बू
तुम और मैं।
पीक-ए-बू, पीक-ए-बू
मैं और तुम।।

पीक-ए-बू, पीक-ए-बू
कहाँ हो तुम?
कुची-कू, कुची-कू
आगे तुम पीछे हम।।

# बू

पीक-ए-बू, पीक-ए-बू
हमारे प्यारे तुम।
पीक-ए-बू, पीक-ए-बू
तुम्हारे प्यारे हम॥

पीक-ए-बू, पीक-ए-बू
संग खेलें हम तुम।
पीक-ए-बू, पीक-ए-बू
मज़े करें हम तुम॥

पीक-ए-बू

# अनुक्रमणिका


1

पृष्ठ 7

2

पृष्ठ 8

3

पृष्ठ 10

4

पृष्ठ 12

5

पृष्ठ 13

6

पृष्ठ 15

7

पृष्ठ 16

8

पृष्ठ 18

9

पृष्ठ 20

10

पृष्ठ 22

11

पृष्ठ 25

12

पृष्ठ 26

13

पृष्ठ 27

14

पृष्ठ 28

15

पृष्ठ 30

16

पृष्ठ 32

17

पृष्ठ 33

18

पृष्ठ 35

19

पृष्ठ 36

20

पृष्ठ 38

21

पृष्ठ 40

22

पृष्ठ 43

# प्रार्थना

हम नन्हे-मुन्ने बच्चे प्यारे,
विनती करते हाथ पसारे ।

अच्छे-बुरे का ज्ञान कराओ,
सही मार्ग प्रभु हमें दिखाओ।

बड़ों का करें आदर,
छोटों से करें प्यार ।

मीठा बोलें, सच अपनाएँ,
मानवता का मान बढ़ाएँ ।

**सीखो और समझो–**
हमें ईश्वर से प्रार्थना करनी चाहिए और उनका धन्यवाद करना चाहिए।

**सोचो और बताओ–**
- बच्चे प्रभु से किसका ज्ञान माँग रहे हैं?
- बड़ों का क्या करना चाहिए?
- छोटों से क्या करना चाहिए?
- चित्र में कितने फूल हैं?

स्टीकर: लड़का व लड़की

# लालाजी

लालाजी ने केला खाया,
केला खाकर मुँह पिचकाया,

मुँह पिचकाकर तोंद फुलाई,
तोंद फुलाकर कदम बढ़ाया,

कदम के नीचे छिलका आया,
लालाजी गिरे धड़ाम,

मुँह से निकला,
हाय राम, हाय राम।

सीखो और समझो
हमें कूड़ा हमेशा कूड़ेदान में ही डालने चाहिए।

**सोचो और बताओ**

- लालाजी ने क्या खाया?
- लालाजी के कदम के नीचे क्या आ गया?
- अन्य फलों के नाम बताओ?

स्टीकर: केला

## सही (✓) व गलत (✗) का निशान लगाओ–

# चींटी और कबूतर

एक चींटी नदी में गिर गई।
पानी तेज़ी से बह रहा था।
बहुत कोशिश करने के बाद भी
वह बाहर नहीं निकल पा रही थी।

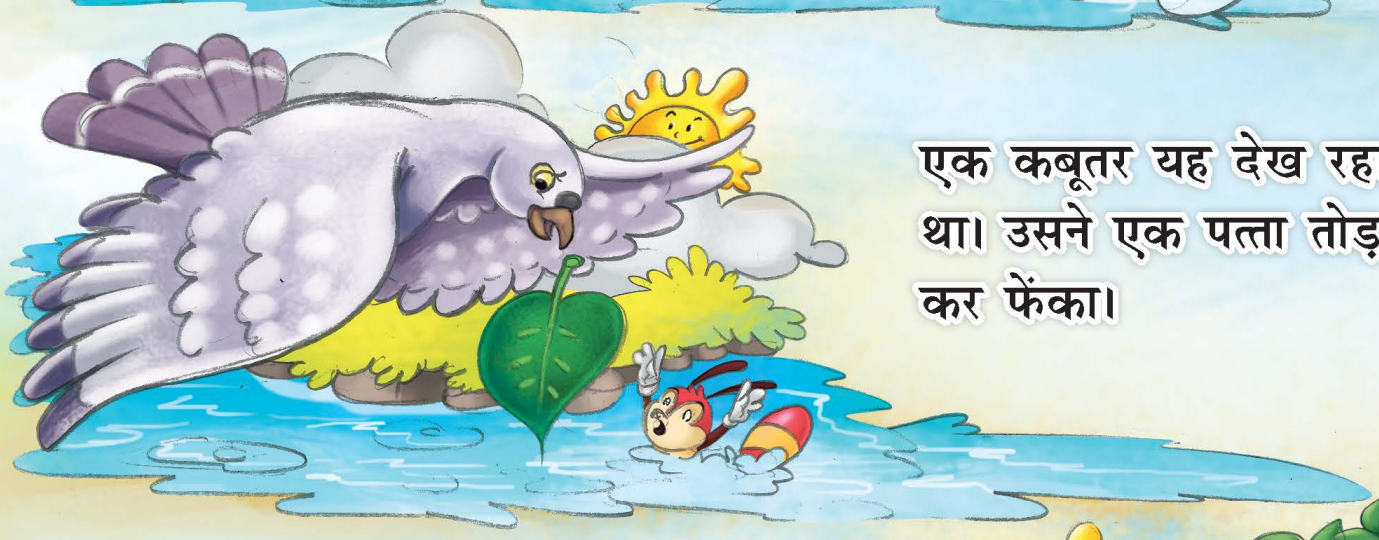

एक कबूतर यह देख रहा
था। उसने एक पत्ता तोड़
कर फेंका।

चींटी उस पर चढ़ गई
और बाहर निकल गई।

तभी एक शिकारी आया और कबूतर पर निशाना लगाया।




चींटी ने यह देखा और उसे काट लिया। शिकारी जोर से चिल्लाया। कबूतर आवाज़ सुनकर उड़ गया और बच गया।